

शाबाश इंडिया



@ShabaasIndia

प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में बनेंगे तीन नए एलिवेटेड रोड

राजस्थान के 8 शहरों में चलेंगी 500 ई-बसें; महिलाओं के लिए बनाए जाएंगे पिंक टॉयलेट

जयपुर. कासं

पॉल्यूशन (प्रदूषण) को रोकने के लिए जयपुर, जोधपुर समेत 8 शहरों में ई-बस सेवा शुरू की जाएगी। जयपुर में तीन नई एलिवेटेड रोड बनाई जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश के 27 नगर निकायों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय में आयोजित हुई नगरीय विकास विभाग की समीक्षा बैठक में यह फैसला किया गया। इस दौरान सीएम ने नगरीय निकायों में मौजूद संपत्ति का उपयोग कर अपनी आय बढ़ाने के निर्देश दिए।

जल्द शुरू होगी प्रधानमंत्री ई-बस सेवा

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री ई-बस सेवा शुरू की गई है। अब राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, भीलवाड़ा, अलवर और बीकानेर में कुल 500 ई-बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से किए जा रहे प्रोजेक्ट को समझा और सभी प्रोजेक्ट तय समय पर पूरा करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि सेक्टर रोड बनाने के काम में तेजी लाई जाए। उन्होंने हाईटेक सिटी के निर्माण के लिए जेडीसी को कार्ययोजना तैयार करने, एयरपोर्ट से टोंक रोड और आगरा रिंग रोड कनेक्टिविटी, रेलवे स्टेशन से सीकर रोड तक



कनेक्टिविटी के लिए एलिवेटेड रोड का प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने एसएमएस हॉस्पिटल में निर्माणाधीन आईपीडी टावर की पार्किंग निर्माण के लिए कार्ययोजना बनाने के आदेश दिए।

महिलाओं के लिए बनेंगे पिंक टॉयलेट

बैठक में फैसला हुआ कि प्रदेश के 106 नगरीय निकायों में 223 करोड़ रुपए से 1470 टीपीडी क्षमता के सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही भरतपुर शहर में 135.40 टीपीडी क्षमता का सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग

प्लांट लगाया जाएगा। जबकि प्रदेश के 27 नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट का निर्माण करवाया जाएगा। बैठक में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्वा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत राज्य सरकार के पिछले 6 माह के कार्यकाल में 30 हजार 408 आवास स्वीकृत हुए हैं 13 हजार 175 आवास बनकर तैयार हो चुके हैं, जिनके लिए 217.75 करोड़ रुपए की अनुदान राशि दी जा चुकी है। वहीं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत प्रदेश में जनवरी 2024 से अब तक 33 हजार लोगों को लोन दिया जा चुका है।

“सुरीली शाम सुर के नाम” में गूंजे युगल गीत

पांच से पिचहत्तर साल के सुर साधकों ने अपनी संगीतमयी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

जयपुर. कासं

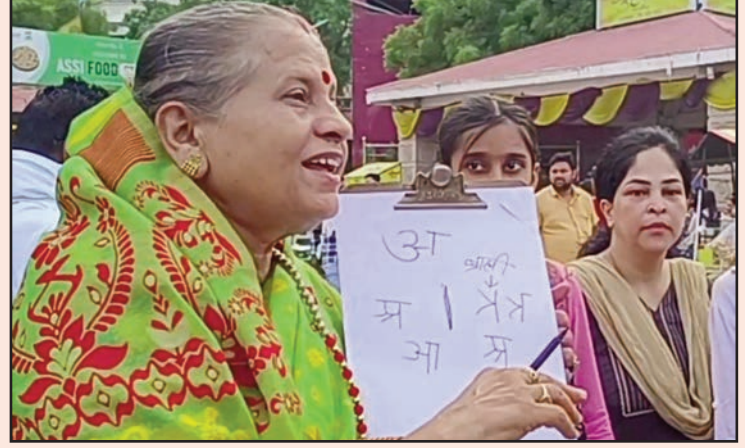
जाने-माने गायक एवं संगीत गुरु आमोद चतुर्वेदी के निर्देशन में “सुरीली शाम सुर के नाम” कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर में पांच से पिचहत्तर साल के सुर साधकों ने अपनी संगीतमयी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन कर सभागार में मौजूद संगीत प्रेमियों का दिल जीता। सिविल लाइन्स स्थित सुर म्यूजिक एकेडमी की ओर से ‘सुरीली शाम सुर के नाम’ नामक इस कार्यक्रम की विशेषता ये थी कि इसमें शहर के पचास सुर साधकों ने बॉलीवुड के 25 युगल गीतों को अपनी आवाज दी। कार्यक्रम का आयोजन सुर म्यूजिक अकादमी के संस्थापक और संगीत गुरु आमोद चतुर्वेदी के निर्देशन में महावीर स्कूल ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम प्रबंधक वर्षा चतुर्वेदी



का अनुसार समारोह में विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी नरेश ठकराल, आईपीएस अधिकारी परिस देशमुख, राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डी.एस भंडारी, सचिव संगीत आश्रम अमित अनुपम

एवं समाज सेविका जयश्रि भंडारी रहे। कार्यक्रम संचालक आभा दिवेदी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत कथक प्रस्तुति शनाया गंधिया (9) की ओर से गणेश परण, थाट, तोड़े, और कृष्ण कवित से हुआ, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ए दिल मुझे बता दें, धीरे धीरे चल चांद गगन में, सैया ले गई जिया जैसे सुपर हिट फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में अवरिल चतुर्वेदी, डॉ शशि लता त्रिपाठी, जानवी, ऋतु कासलीवाल, निधी लोयलका, विभूषित, प्रिया, डॉ कनिका वर्मा, डॉ पंकज वर्मा, अंशु सिंह, उमा शुक्ला, पूनम जैन, इरा दुबे, कर्तिकेय मिश्रा, शालिनी माटा, डॉ नीरज नागायच, स्वपना जैन, अमायरा, अद्रिजा, रविंद्र शर्मा, इशिता शर्मा, सुनीता गुप्ता, शशि सिंह, शालिनी माटा, नवीशा शर्मा, चारूवी शर्मा, अलिन्द गुप्ता, देवांशी, मीहिरा, अनाया, समायरा, अनय, देवज, नलिन, आद्रिजा, कृतिका झा, आलिंद गुप्ता, शुभा गुप्ता, लक्षिता, शिवानी, अनूप जोशी, दीपक अरोड़ा, मीनाक्षी सिंह, अनिल भारद्वाज, कविता सिसोदिया, इंदू शर्मा, राजेश ठक्कर, मीना बलोदिया, सीमा मुंजाल, मिथलेश नाग, स्वाति कौशिक ने प्रस्तुति दी।

मां गंगा के तट पर बनारस के अस्सी घाट में नई पीढ़ी ने सीखी सर्वप्राचीन ब्राह्मी लिपि



बनारस. शाबाश इंडिया

ब्राह्मी लिपि विशेषज्ञा विदुषी डॉ. मुन्नी पुष्पा जैन एवं डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव (दिल्ली) ने नई पीढ़ी को सभी लिपियों की जननी, विश्व की सबसे प्राचीन ब्राह्मी लिपि को सिखाने के उद्देश्य से मां गंगा के अस्सी घाट पर सांयकाल सर्वप्राचीन ब्राह्मी लिपि की कार्यशाला का आयोजन किया। जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ ने राजा ऋषभदेव के रूप में सर्वोत्तम राज्य किया था। उन्होंने समस्त प्रजा जन को असि-मसि-कृषि-विद्या-वाणिज्य-शिल्प आदि छह कलाएं सिखाकर जीवन जीने की एवं निर्वहन करने की कला सिखाई थी और

राजा ऋषभदेव ने सर्वप्रथम बालिका शिक्षा का उद्घोष करते हुए अपनी पुत्री ब्राह्मी को लिपि विद्या एवं पुत्री सुंदरी को अंक (गणित) विद्या सिखाई थी। अंक विद्या का विकास आज गणित के रूप में है और ब्राह्मी लिपि के नाम से प्रसिद्ध हुई और इसी लिपि से सभी लिपियों का जन्म और विकास हुआ है इस तरह उन्होंने छात्रों-छात्राओं को लिपि के इतिहास एवं विकास की परम्परा को समझाया। उन्होंने बताया कि भारत का नाम भी राजा ऋषभदेव के ज्येष्ठ पुत्र चक्रवर्ती सम्राट भरत के नाम पर पड़ा। इल्व, विद्यापीठ, हरिश्चन्द्र आदि के विद्यार्थियों एवं बाहर से आए पर्यटकों ने बेहद उत्सुकता के साथ ब्राह्मी लिपि सीखी एवं सफलता के साथ परीक्षा भी दी। नई पीढ़ी ने ब्राह्मी

लिपि को सीखकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस किया और कहा कि वो अब प्राचीन शिलालेख को पढ़ सकते हैं। युवाओं ने ब्राह्मी लिपि को रोज अभ्यास करने एवं इसका प्रचार-प्रसार करने का संकल्प लिया। सम्पूर्ण संस्कृत विश्वविद्यालय, जैनदर्शन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष, भारतीय संस्कृति-भाषा एवं लिपि का संरक्षण-संवर्धन करने वाले प्रो. फूलचंद जैन 'प्रेमी' जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि गंगा तट पर समय-समय पर ब्राह्मी लिपि की ऐसी ही कार्यशाला का आयोजन होता रहेगा एवं नई पीढ़ी को सिखाने का यह क्रम जारी रहेगा।

15 दिनों में अपने लीवर को एक बार जरूर साफ करना चाहिए...

स्वस्थ रहने के लिए कम से कम 30 दिनों में एक बार हमारे लीवर को जरूर साफ करना चाहिए। लीवर हमारे शरीर का एक बहुत ही अहम अंग है। दोस्तों हमें अपने लीवर की सेहत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दोस्तों जब तक हमारा लीवर ठीक से काम करेगा, तब तक हमें किसी बीमारी से सामना नहीं करना पड़ेगा। हमारे गलत खानपान के कारण हमारे लीवर को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तो आओ जानते हैं लीवर को घरेलू आसान तरीकों से कैसे सही और साफ रखें। लीवर की खराबी का अगर सही समय पर इलाज न हो तो आगे जाकर यह बीमारी विकराल रूप ले सकती है, यहाँ तक की जान भी जा सकती है। लीवर कमजोर होना या लीवर की खराबी, इस बीमारी के कई कारण हो सकते हैं। लीवर में दर्द होना, भूख कम लगना आदि इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। लीवर में सूजन आ जाने से खाना आँतों में सही तरीके से नहीं पहुँच पाता और ठीक तरह से हज़म भी नहीं हो पाता। ठीक तरह से हज़म न हो पाने से अन्य तरीके के रोग भी उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए लीवर की खराबी का पक्का, आसान और पूरी तरह से आयुर्वेदिक इलाज हम आपके लिए लेकर आये हैं जिससे लीवर की खराबी से निजात मिल जाएगी। कभी-कभी ऐसा होता है कि हमारे शरीर में बहुत सारे बदलाव आने लगते हैं



डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा, जयपुर।

जिन्हें हम विल्कुल नज़र अंदाज़ कर देते हैं। इनमें लीवर की बीमारी भी बहुत बढ़ गयी है। लीवर की खराबी के बहुत से कारण हो सकते हैं जिनमें से एक मुख्य कारण है शराब का अत्यधिक सेवन करना, भोजन में मिर्च मसाले ज्यादा खाना और भी बहुत से कारण हैं। जैसे यदि आपका पेट बहुत ज्यादा बढ़ रहा है तो आप यही सोचेंगे की यह मोटापे की वजह से हो रहा होगा। क्या आप जानते हैं लीवर के खराब होने से भी पेट पर बहुत सूजन आने लगती है, जिसकी वजह से पेट फूलने लगता है। इन्ही बातों को ध्यान रखते हुए यह लेख लिखा गया है। आइये जानते हैं लीवर की खराबी के लक्षण चेहरे पर धब्बे : कभी-कभी चेहरे की रंगत पीली पड़ने लग जाती है और चेहरे पर सफ़ेद धब्बे पड़ने लगते हैं। यदि आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो यह अच्छा संकेत नहीं है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से संपर्क आवश्यक करें। आँखों में पीलापन : यदि आँखों का सफ़ेद भाग, पीला पड़ने लग जाए तो यह भी परेशानी का सबब हो सकता है। आँखों के पीले पड़ने को नज़रअंदाज़ ना करें, यह कोई गंभीर रूप ले सकती है। लीवर की खराब होने पर आँखों सा सफ़ेद रंग पीला पड़ने लगता है और नाखून भी पीले पड़ने लगते हैं। स्वाद ना आना : यदि आपको खाने में कोई स्वाद महसूस नहीं होता। आपसे खाना नहीं खाया जाता तो यह भी ध्यान देने वाली बात है। लीवर



में एक एन्जाइम होता है जिसे बाइल कहते हैं जो की बहुत कड़वा होता है। लीवर के खराब होने पर, बाइल मुँह तक पहुँचने लगता है जिसकी वजह से मुँह का स्वाद खराब हो जाता है। मुँह से बदबू: मुँह में अमोनिया की मात्रा बढ़ जाने के कारण मुँह से बदबू आने लगती है। लीवर में खराबी के कारण ऐसा होने लगता है, मुँह की बदबू को नज़र अंदाज़ ना करें, यह एक गंभीर रूप ले सकती है। थकान भरी आँखें और डार्क सर्कल: यदि आपकी हमेशा थका-थका सा महसूस होता है। आप रात में जितनी भी नींद क्यों ना लें आपको यही लगता है कि आपकी नींद पूरी नहीं हुई है। आँखों में डार्क सर्कल होने लगते हैं और आँखें सूजने लगी हो तो यह अच्छा संकेत नहीं है। पाचन तंत्र कमजोर : लीवर में खराबी का सबसे बड़ा लक्षण यह है कि आपका हाज़मा ठीक नहीं रहता। यदि आप ज्यादा मिर्च मसाले खा लेते हैं तो सीने में जलन होने लगती है। हाज़मे की खराबी, लीवर में प्रॉब्लम को दर्शाती है। -निरंतर

शंकर लाल धानुका विद्यालय में मनाया योग दिवस



जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर केशव विद्यापीठ समिति की ओर से संचालित शंकर लाल धानुका विद्यालय जामडोली में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। प्राचार्य किशन यादव ने बताया कि प्रारंभ में सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक अशोक गुप्ता ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन कर योग दिवस का शुभारंभ किया। इस मौके पर शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और आमंत्रित अतिथियों ने आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित योग निदेशों की पालना करते हुए योग किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अशोक गुप्ता ने अपने संबोधन में योग की जीवन में महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह लोगों की जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव लाकर जीवन को खुशहाल बनाने में मदद करता है, वहीं केशव विद्यापीठ समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने केशव विद्यापीठ के संस्थानों का परिचय देते हुए तनाव प्रबंधन में योग की भूमिका पर प्रकाश डाला। अंत में कार्यक्रम में उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ योग सत्र का समापन किया गया। इस अवसर पर केशव विद्यापीठ समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता, संयुक्त सचिव अशोक गुप्ता, स्थानीय विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

Futere General insurance Company के द्वारा



Shri ANURAG JAIN

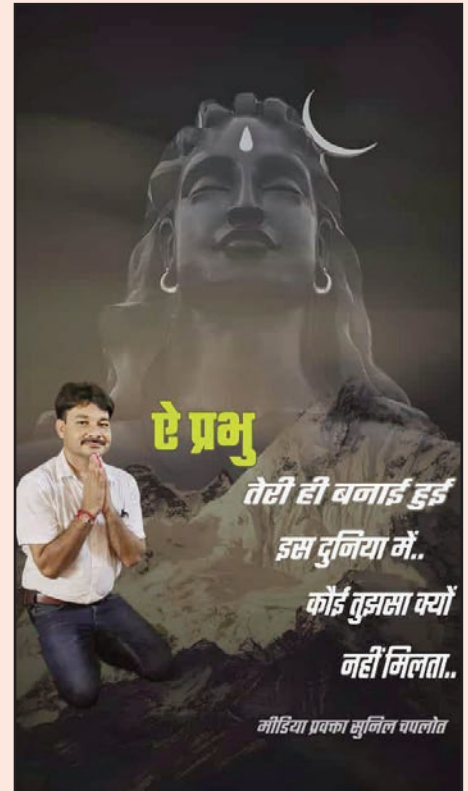
को जर्मनी में कम्पनी को बहुत ही अच्छा बिजनेस देने पर शानदार स्वागत किया गया। हमे गर्व है हमारे अनुराग पर...

शुभेच्छु: जयकुमार, छवि जैन एंड ऑल फैमिली बगरु वाला परिवार

सत्य ही ईश्वर है : साध्वी मणीप्रभा जी

सुनिल चपलोट. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सत्य ही ईश्वर है। शनिवार को साध्वी मणीप्रभा ने सरस डेयरी के पास समन्वय रिवर व्यू कॉलोनी में बाबेल निवास पर आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सत्य को झूठलाया और मिटाया नहीं जा सकता है क्योंकि सत्य ही ईश्वर है सत्य के समान दूसरा धर्म नहीं है। धर्म सदा सत्य में ही रहता है। असत्य के मार्ग पर चलने वालों का आजतक कभी भला नहीं हो पाया और नाहि कभी सत्य को वो पराजित कर पाए। जबकि सत्यनिष्ठ साधक दुखों से घिरा रहकर भी घबराता नहीं और न विचलित ही होता है। जबकि असत्य और झूठ की राह चलने वाला इंसान सदैव कठिनाइयों में घिरा रहता है और दुःख भोगना है इंसान को सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए तभी वो सफलता के शिखर को छुकर मानव जीवन को सफल बना सकता है। धर्मसभा में हेमन्त बाबेल यश विहार के कोषाध्यक्ष दिनेश गोखरू भूपेंद्र सिंह पगारिया सुशील चपलोट मिलाप चौधरी, दिनेश बुरड़, मुकेश खारिवाल प्रदीप पारख, राजकुमार लोढ़ा, महावीर बापना कमलेश नाहर, सुरेश नाहर, जितेश चपलोट अनुराग नाहर आदि गणमान्य पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। रविवार को साध्वी मणीप्रभा, साध्वी रूचीका सुभाष नगर जैन स्थानक में आयोजित धर्मसभा में प्रवचन प्रदान करेंगे।



आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष केवल 13 दिन का होगा

पश्चिमी देशों में फिर युद्ध के आसार

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। चंद्र माह में दो पक्ष होते हैं एक कृष्ण पक्ष दूसरा शुक्ल पक्ष। दोनो में पंद्रह पंद्रह दिन यानी तिथियां होती है। कई बार एक पक्ष में एक तिथि बढ़ जाती है कभी एक तिथि कम हो जाति है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हनुमंतचंद जैन ने बताया कि कोई तिथि जब दो सूर्योदय को स्पर्श करती है तो तिथि वृद्धि होती है और जब कोई तिथि किसी भी सूर्योदय को स्पर्श नहीं करती तो क्षय होती है। इस बार आषाढ़ कृष्ण पक्ष में प्रतिपदा तिथि और त्रयोदशी तिथि दोनो तिथि सूर्योदय के समय न होने से इनका क्षय हो गया। इससे आषाढ़ कृष्ण पक्ष 15 दिनों की जगह 13 दिनों का रह गया। जैन ने कहा यह संयोग द्वार युग के महाभारत काल में बना था। इस बार आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष 23 जून से शुरू होकर 05 जुलाई को समाप्त होगा। शुक्ल पक्ष 06 जुलाई से 21 जुलाई तक चलेगा। बहुत सालो बाद आषाढ़ कृष्ण पक्ष केवल 13 दिन का पड़ रहा है। ऐसा संयोग महाभारत काल में पड़ा था। यह एक प्रकार का दुर्योग है। इस बार पूरे आषाढ़ माह में पांच शनिवार, पांच रविवार होंगे। शनि ग्रह 29 जून को रात 12:38 बजे वक्री होंगे, जो 15 नवंबर को मार्गी होंगे। बुध 25 जून की रात 04:12 बजे पश्चिम में उदय होंगे और शुक्र ग्रह 05 जुलाई को पश्चिम में मिथुन राशि में उदय होंगे। 29 जून के बाद से जुलाई अगस्त माह में दक्षिण, पश्चिम दिशा शहरों में भारी वर्षा बाढ़ से बड़ी हानि हो सकती है। पश्चिमी दो देशों में नए युद्ध की शुरुआत हो सकती है। जिसमें दूसरे देश भी सामिल हो सकते हैं।

वेद ज्ञान

संतुलित जीवन

जिस तेजी से समय बदल रहा है, हमारी अव्यवस्थित होती जीवनशैली और आदतों में बदलाव आ रहा है। जिस तेजी से समय बदल रहा है, हमारी अव्यवस्थित होती जीवनशैली और आदतों में बदलाव आ रहा है। यह हमारी सेहत के लिए बहुत हानिकारक है और कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं का कारण भी है। जिंदगी को सफल और सार्थक बनाने के लिए उसके प्रति सकारात्मक नजरिया होना जरूरी है। सच तो यह है कि यदि आप जिंदगी को प्यार करते हैं तो जिंदगी भी आपको प्यार करती है। बढ़ती प्रतियोगिता, आगे बढ़ने की होड़ और अधिक से अधिक धन कमाने की इच्छा ने इंसान के जीवन से सुख, चैन व शांति को दूर कर दिया है। महान दार्शनिक अरस्तू ने कहा भी है कि खुशी हम पर निर्भर करती है। सब कुछ पालने की इस दौड़ में इंसान सबसे ज्यादा अनदेखा खुद को कर रहा है। बेहतर कल के सपनों को पूरा करने के चक्कर में अपने आज को नजरअंदाज कर रहा है। वह भूल रहा है कि बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता। इसलिए कुछ समय अपने लिए, अपने शरीर, अपने शौकों और उन कामों के लिए देना भी बहुत जरूरी है जिनसे आपको खुशी मिलती है। सच तो यह है कि दुनिया वैसी ही है जैसे हम इसके बारे में सोचते हैं। यदि हम अपने विचारों को बदल सकें तो हम दुनिया को बदल सकते हैं। अगर आप अपने माता-पिता, दादा-दादी व नाना-नानी की दिनचर्या देखें तो महसूस करेंगे कि उनकी दिनचर्या आपसे कई मायनों में भिन्न है। उनका जीवन और दिनचर्या उनके बनाए नियमों के मुताबिक है। समस्या युवाओं और कामकाजी लोगों के साथ ज्यादा है। कारण भी स्पष्ट है-समय की कमी या फिर यूं कहें कि समय का ठीक से प्रबंधन न कर पाना जीवन को अव्यवस्थित कर रहा है, जिसका असर जीवन के हर पहलू पर पड़ रहा है। एक विद्वान ने कहा है कि मैं अपने भाग्य का नियंत्रक हूँ, मैं अपनी आत्मा का नियंत्रक हूँ। एक सुंदर और अच्छे जीवन के लिए जरूरी है-अच्छी सेहत। इसलिए अच्छी सेहत के लिए जरूरी है-समय पर सोना और सुबह जल्दी जागना, लेकिन आज अधिकांश युवाओं के सोने और जागने का समय निश्चित ही नहीं है। पूरी नींद न लेना कई बीमारियों की वजह बन जाती है। आज अधिकांश लोगों का मुख्य मकसद अधिक-से-अधिक धन कमाना हो गया है जो चलन बेहद खतरनाक है।

संपादकीय

भारत ने दुनिया को दी स्वस्थ और निरोग रहने की दृष्टि

हमारे देश में वैसी उपलब्धियों और धरोहरों की एक लंबी शृंखला है, जिनकी वजह से दुनिया भर में भारतीयता को एक सम्मान की नजर से देखा जाता है। मगर हाल के वर्षों में योग एक ऐसे पहलू के रूप में उभरा है, जिसे न केवल भारत में एक नया आयाम मिला है, बल्कि इसे विश्व भर में लोगों ने बेहद रुचि के साथ देखा, सीखा और अपनाया। सच यह है कि एक ऐतिहासिक धरोहर और नायाब तोहफे के रूप में योग के सहारे स्वास्थ्य का कायाकल्प करने के लिए एक दृष्टि देने के लिहाज से भारत को दुनिया भर में नेतृत्व करने का मौका मिला है। यह बेवजह नहीं है कि आज भारत सहित दुनिया के कई देशों, बड़े-बड़े संस्थानों और विश्वविद्यालयों तक में व्यापक पैमाने पर लोगों के बीच योगासन बेहद लोकप्रिय हुआ है और इसके प्रत्यक्ष लाभ भी देखे जा रहे हैं। इसलिए योग और इसके दर्शन के महत्त्व को समझा जा सकता है। मगर दूसरे पहलू से देखें तो यह अफसोस की बात है कि 'योग दिवस' के रूप में इसे वर्ष में सिर्फ एक दिन के उत्सव की तरह देखा जाने लगा है जबकि रोजमर्रा के जीवन में नियमित अभ्यास के रूप में ही इसकी अहमियत आंकी जा सकती है। दरअसल, वैश्विक स्तर पर योग की लोकप्रियता के समांतर यह भी देखा जा रहा है कि एक ओर



बहुत सारे देशों में लोग इसके प्रति आकर्षित हो रहे हैं और इसकी उपयोगिता के लिहाज से इसे अपना रहे हैं, तो दूसरी ओर अपने देश में कई बार इसे एक मौके को भुनाने के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाने लगा है। इसका एक नकारात्मक पहलू इस रूप में सामने आया है कि दिनचर्या के हिस्से के रूप में उपयोगी माने जाने वाले योग को मुख्यधारा के प्रचार माध्यमों में अब 'योग-दिवस' में केंद्रित करके देखा जाने लगा है। इस मौके पर खासतौर पर टीवी चैनलों पर जिस तरह के कार्यक्रम पेश किए जाने लगते हैं, प्रस्तुतियों में जैसी हरकतें दिखती हैं, एक विचित्र चकाचौंध दिखता है, उससे योग जैसे गंभीर और महत्त्वपूर्ण विषय की गरिमा कम होती है। करीब दस वर्ष पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र में जब अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का एक प्रस्ताव रखा था, तब उसे बहुत सारे देशों का समर्थन मिला और उसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने इसे मंजूरी दी थी। आज समूची दुनिया भारत के इस मंत्र को मान रही है कि स्वस्थ रहने के लिए योग से बेहतर कुछ नहीं। भारत सहित विश्व भर में जहां भी यह लोकप्रिय हुआ, वहां लोगों ने इसके महत्त्व को समझते हुए स्वतः स्फूर्त तरीके से इसे अपनाया। योग के मूल दर्शन और इसकी उपयोगिता को देखते हुए इसे इसी रूप में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि लोग अपने भीतर की प्रेरणा से इसे अपनाएं। मगर विडंबना यह है कि विश्व के अनेक देशों में जहां योग को स्वस्थ रहने के लिए एक तोहफे के तौर पर देखा जा रहा है, वहां हमारे देश में इसे अपने-अपने विज्ञापन और प्रचार का जरिया भी बनाया जा रहा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

मा नसून के आगमन के बीच हम सब इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि इस बार कितनी अधिक गर्मी पड़ रही है और लू का कहर किस तरह जानलेवा सिद्ध हुआ। गर्मी और लू के प्रकोप का सामना दुनिया के अन्य देशों को भी करना पड़ रहा है। निःसंदेह मानसून राहत देगा, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मौसम में अप्रत्याशित बदलाव खतरे की एक घंटी है। पर्यावरणविदों के अध्ययनों के आधार पर यह पहले ही साफ हो चुका था कि 2024 में गर्मी ज्यादा पड़ने वाली है। पर्यावरणविदों के अनुसार इस वर्ष एल नीनो का असर होगा और फिर उसके तत्काल बाद ला नीना का भी। एल नीनो गर्मी को बढ़ाएगा तो ला नीना शीतकालीन परिस्थितियों को और गंभीर कर देगा। एक अध्ययन के अनुसार, 2023 में एल नीनो ने पिछले साल जुलाई को अत्यधिक गर्म किया। वैसे ही हालात इस साल जून के आसपास दिखे। अपने देश में देखें तो दिल्ली में तापक्रम 50 के आसपास पहुंच गया। अन्य शहरों में भी इसी के आसपास तापमान पहुंचा। पहाड़ों में भी गर्मी बढ़ी तो जैसलमेर में तापमान ने 55 का आंकड़ा छुलिया। अब यह भी स्पष्ट हो चुका है कि 2024 तापक्रम वृद्धि को लेकर अच्छा नहीं कहा जा सकेगा। 2016 से 2019 के तीन साल के लंबे दौर के बाद 2023 में ही एल नीनो दूसरी बार आया और दिसंबर 2023 में यह अपने चरम पर था। समुद्री वायुमंडल के हालात बिगड़ने के कारण अगस्त 2024 में यह और प्रभाव डालेगा। इसके तुरंत बाद ला नीना के प्रभाव की आशंका है। इस बार जापान और मेक्सिको में बसंत से पहले ही फूल खिलने लगे थे। इसी तरह यूरोप में फरवरी-मार्च में ही हिमखंड पिघलने लगे। इसी समय अमेरिका के टेक्सास में तापक्रम 38 के पार चला गया था। भारत में भी गर्मी के जल्दी आने से वनों की आग ज्यादा घातक हो गई। जापान से मेक्सिको तक तापक्रम की वृद्धि पिछले कई महीनों से

घातक सिद्ध होता प्रकृति से छेड़छाड़

लगातार बढ़ रही है और परिस्थितिकी में कुछ बड़े मूलभूत परिवर्तन आ रहे हैं। अपने देश में जनवरी-फरवरी कुछ इस तरह से बीते, जैसे बसंत आ गया हो। बीते जाड़े में भी ठंड का अधिक प्रभाव नहीं था। वास्तव में लगातार लंबे समय से मौसम के व्यवहार का सही अनुमान नहीं लगाया जा पा रहा है। देश में बसंत वाली गर्मी पहले ही आ गई थी और उसने वनाग्नि जैसे दावानल के लिए दरवाजे खोल दिए। यह भी संज्ञान में लेना जरूरी है कि पश्चिमी विश्व, जो पहले नवंबर-दिसंबर के महीने में आता था, इस बार फरवरी के अंत या मार्च के पहले सप्ताह में ही दिखाई दे गया। यह एक बहुत बड़ा लक्षण है कि अब मौसम का समयानुसार प्रभाव नहीं रहा। मौसम के अनुकूल न होने के कारण हमारे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ रहा है। इसके असर को खेती-बाड़ी से लेकर वनों में बढ़ती हुई आग को लेकर देखा जा सकता है। इसके साथ तूफान और बाढ़ कब आ जाए, इसकी कल्पना नहीं की जा सकेगी। मौसम विभाग अब आने वाले समय में मौसम के हालात का सटीक विश्लेषण मुश्किल से कर पाएगा। मौसम में अप्रत्याशित बदलाव का सीधा असर पूरे आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकी तंत्र पर पढ़ना तय है। तापक्रम के बढ़ने के कारण इसका असर वन्य जीव से लेकर मनुष्यों पर दिखाई देगा। कई तरह की बीमारियां भी पनपेंगी। खास तौर से वे, जो उमस के कारण आती हैं। उमस भरी गर्मी को झेलने के लिए एसी का उपयोग वातावरण में और गर्मी तो पैदा करेगा ही, वायु प्रदूषण के हालात और भी गंभीर हो जाएंगे, जो सीधे ही पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत असर डालेंगे।

आज कल के कुछ रिश्तों में अनजान रहना ही अच्छा है: अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज

हैदराबाद. शाबाश इंडिया

भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्कड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का निरंतर पदविहार करते हुए लैंको हिल्स, गुरुभक्त मनोज चौधरी नानकरामगुडा, हैदराबाद में हुआ भव्य मंगल आगमन हुआ इस अवसर पर आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने कहा कि संसार से हमारे सम्बन्ध कैसे होने चाहिये ? हमने कहा कि हम सब यात्री हैं, हमारे सम्बन्ध नदी नाव जैसे होने चाहिये। देर सवेर तो बिछड़ना ही है। हर मिलन के क्षणों में विदाई को ना भूलें किसी से भी मिलो तो ध्यान रखना, कल बिछड़ना भी है। किसी से हाथ मिलाओ तो यह मत भूलो कि कल उसे अलविदा कहना है। फूल खिले तो, खिले फूल में मुरझाये फूल को देख लेना। परन्तु आज कल रिश्तों में रस नहीं बचा। जरा सी एक गलत फहमी, अच्छे-खासे रिश्तों को भी तोड़ देती है। अब आप ही सोचिये-- ? वो रिश्ता अच्छा कैसे हुआ, जो गलत फहमी से टूट जाये इसका मतलब हुआ कि वो गलती खोज रहा था रिश्ता तोड़ने के लिये-- ? यदि रिश्ता मजबूत होता या भावनात्मक होता, तो हजारों गलत फहमीयों से भी नहीं टूटता। इसलिए आज कल के कुछ रिश्तों में अनजान रहना ही अच्छा है। कभी-कभी सब कुछ जान लेना भी तकलीफ दायक हो जाता है। -नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल



पेट भी एक मशीन है और यह भी थक जाता है इसको भी एक दिन का आराम मिलना चाहिए : स्वस्तिभूषण माताजी



केशवरायपटन. शाबाश इंडिया। परम पूजनीय भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी ने अपने मंगल प्रवचन में पर्व का महत्व बताया और कहा की पर्व में किया गया दान का विशेष महत्व होता है। विस्तृत रूप से बताया की पर्व क्या है ? दश लक्षण पर्व अष्टानिका पर्व सोलह कारण पर्व अष्टमी पर्व चतुर्दशी पर्व ! ये पर्व हैं ! गन्ना देखा है ! गन्ने में जो गांठ होती है उसको भी पर्व कहते हैं ! और जितनी ताकत उस गन्ने में है उससे अधिक उसकी गांठ में होती है ! गांठ के माध्यम से ही खेती करके गन्ने को उगाया जाता है ! जैसे किसी धागे में बहुत से गांठे लगा दी जाएं तो उसको तोड़ना मुश्किल होगा। कहने का तात्पर्य है कि गांठ सामान्य धागे से अधिक मजबूत होती है ! ऐसे ही पर्व के दिनों में किया हुआ धर्म दान पुण्य आदि सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक फलदायी होता है। आप सामान्य दिनों में पूजा करो उसका फल एक है आप अष्टानिका पर्व में पूजन करो उसका फल चार है। आप सामान्यतया रात्रि भोजन त्याग करो फल एक है आप पर्वों में रात्रि भोजन त्याग करो फल चार हैं पुण्य का फल चार है तो पाप का फल भी चार है। आप अन्य दिनों में रात्रि भोजन करोगे पाप एक लगेगा लेकिन पर्व के दिनों में रात्रि भोजन करोगे पाप चार लगेगे। इसलिए अष्टमी चतुर्दशी को रात्रि भोजन का त्याग तो सभी का होना ही चाहिए। काम बिगड़ते है तो पाप के कारण से। और काम बनते हैं तो पुण्य के प्रभाव से। अगर अष्टमी चतुर्दशी को आपने रात्रि भोजन का त्याग किया तो पुण्य आया। अब पुण्य के प्रभाव से आपका जो काम नहीं भी हो रहा होगा वह भी सफल हो जायेगा और आपको पता भी नहीं चलेगा यह कहाँ से हो गया। और यदि पाप करोगे तो कहीं न कहीं बाधा तो आयेगी ही। इसलिए पर्व के दिनों में पाप के कार्य छोड़ देते हैं। वैसे तो गृहस्थी है सामान्य पाप तो होते हैं लेकिन पर्व के दिनों में सावधानी रखनी चाहिए। कम से कम अष्टानिका दशलक्षण पर्व में तो पापों से बचना चाहिए क्योंकि पर्वों में पाप का फल चार गुणा अधिक होता है पर्व तो पापों के प्रक्षालन के लिए आते हैं। अष्टमी चतुर्दशी को प्रोषध करना चाहिए। प्रोषध का अर्थ है सप्तमी को एकाशन करके सभी आहार आदि का त्याग करके अष्टमी को उपवास नवमी को एकाशन करना प्रोषध है। जो चार शिक्षाव्रत है सामायिक प्रोषधोपवास भोगोपभोग परिमाण व्रत और अतिथि सविभाग।



श्री पार्वनाथ भगवान



प.पू. कर्मील उग्रवाल महोदय के 108 वसुन्दी जी मुनिराज



उपाध्याय 108 श्री वृषभानन्द जी महाराज

प.पू. अभीक्षा ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुन्दी जी मुनिराज के सुशिष्य
उपाध्याय 108 श्री वृषभानन्द जी महाराज ससंघ
का
पावन वर्षाव्रत 2024

श्री पार्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर
में होना सुनिश्चित हुआ है।

श्री पार्वनाथ दिगम्बर जैन समिति
से. 1.1 अग्रवाल फार्म मानसरोवर, जयपुर
श्री पार्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल एवं श्री पार्वनाथ दिगम्बर जैन युवा मंडल, विद्या वसु पाठशाला
सकल दिगम्बर जैन समाज, थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर

मुनि श्री 108 समत्व सागर जी का सिद्धार्थनगर में मंगल प्रवेश हुआ



जयपुर. शाबाश इंडिया। मुनि श्री समत्व सागर जी का सिद्धार्थनगर में अल्प प्रवास हेतु मंगल प्रवेश हुआ। समाज बंधु मणि जैन, चित्रकूट सांगानेर से बिहार करवाते हुए सूर्य नगर तारों की कूट पर अध्यक्ष पारस जैन आगरा, पवन तेरापंथी, राजेश जैन, कौशल पाटनी सुभाष पचेवर ने गुरुवर की अगवानी करी। स्टेट हेंगर चौराहे से बैण्ड बाजे के साथ जुलूस के रूप में समाज की महिलाएं व पुरुष जैन मंदिर सिद्धार्थनगर में प्रवेश करवाया। जहां पर धर्म सभा हुई मुनि श्री ने बताया वर्तमान समय में युवाओं को धर्म से जुड़ने व समझने की आवश्यकता है। मंदिर जी के मुख्य द्वार पर महामंत्री आशीष जैन ने अध्यक्ष पारस जैन आगरा के साथ गुरुवर के पाद प्रक्षालन किया।

जैन सोशल ग्रुप महानगर

HAPPY ANNIVERSARY

23 जून '24

7014559446

श्री संजय-श्रीमती सुषमा जैन

जैन सोशल ग्रुप महानगर के सम्मानित सदस्य

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

संजय-सपना जैन छाबड़ा आवा: अध्यक्ष सुनील-अनिता गंगवाल: सचिव

प्रदीप-निशा जैन: संस्थापक अध्यक्ष स्वाति-नरेंद्र जैन: गीटिंग कमेटी चेयरमैन

AII INDIA LYNESSE CLUB

Friendship Unity Service

Footprints

Swara

23 June '24

Happy Birthday

ly Mrs Usha Jain

President : Nisha Shah
Charter president : Swati Jain
Advisor : Anju Jain
Secretary : Mansi Garg
P R O : Kavita kasliwal jain

Love All Serve All



Live And Let Live

Mahavir International Association, Jaipur
Mahavir International Apex

LAUNCH OF GOLDEN JUBILEE CELEBRATION

"AN OPPORTUNITY TO ENGAGE IN AND ENHANCE"

PANEL OF EMINENT THOUGHT LEADERS

"DISCUSSION ON THE FUTURE OF NGOS IN
INDIA'S SOCIAL SECTOR"

1



Mr. Rajesh Tiwari
Editor
CSR Today

2



Mr Amod K. Kanth,
Founder General Secretary
of Prayas JAC Society

3



Dr. Subramanya Kusnur
Founder Chairman & CEO
AquaKraft Ventures

4



Dr. Harish Vasishth
ED
Credibility Alliance

5



Mr. Uday Shankar Singh
CEO
Vishwa Yuvak Kendra

6



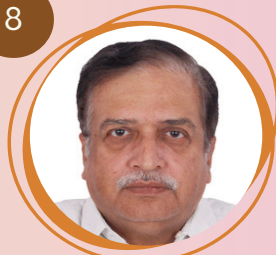
Mr. Sudarshan Suchi
CEO
Bal Raksha Bharat

7



CA Anjani K. Sharma
Co-Founder & Director
SAGA

8



Mr. Harsh Jaitli
CEO
VANI

9



Mr. Devendra Gupta
Founder
Ladli Foundation



SUNDAY, 07 JULY, 2024

9:30 AM TO 5:30 PM



MANEKSHAW CENTRE,

NEW DELHI



**TAB ON QR
FOR THE REGISTRATION**



RSVP

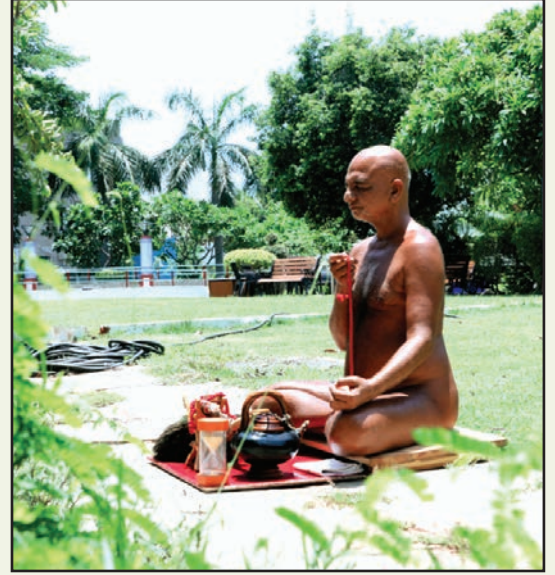
Organising Team

सेठी कॉलोनी जयपुर में हुआ गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंध का भव्य मंगल प्रवेश



जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंध का भव्य मंगल प्रवेश श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेठी कॉलोनी जयपुर में हुआ। माताजी की आगवानी में सकल समाज पलक पावडे बिछाकर खड़ी थी। घर-घर में गुरुमाँ के पाद प्रक्षालन एवं आरती करने का सौभाग्य श्रावकों ने प्राप्त किया। मंदिर जी में देव दर्शन के पश्चात धर्म सभा का आयोजन हुआ। मंगलाचरण एवं अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को प्रवचनामृत का पान कराते हुए कहा - संतों का नगरी में आगमन होने से जन-जन के पापों का नाश एवं पुण्य का प्रकाश होने में कारण है। संसारी प्राणी संसार में असली धर्म का अनुभव नहीं कर पाता, जो गुरु के चरणों में रहने-उठने-बैठने से आसानी से कर लेता है। अमंगल मय जीवन को मंगल बना पाता है। अपने मंगलमय जीवन का उत्कर्ष साधु होते हैं। इन्हीं के चरणों में साक्षात् मुक्ति का वास होता है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन



संसार से हमारे सम्बन्ध कैसे होने चाहिए? हमने कहा कि हम सब यात्री हैं, हमारे सम्बन्ध नदी नाव जैसे होने चाहिए। देर सवेर तो बिछड़ना ही है। हर मिलन के क्षणों में विदाई को ना भूलें। किसी से भी मिलो तो ध्यान रखना, कल बिछड़ना भी है। किसी से हाथ मिलाओ तो यह मत भूलो कि कल उसे अलविदा कहना है। फूल खिले तो, खिले फूल में मुरझाये फूल को देख लेना। परन्तु आज कल रिश्तों में रस नहीं बचा। जरा सी एक गलत फहमी, अच्छे-खासे रिश्तों को भी तोड़ देती है। अब आप ही सोचिये? वो रिश्ता अच्छा कैसे हुआ, जो गलत फहमी से टूट जाये। इसका मतलब हुआ कि वो गलती खोज रहा था रिश्ता तोड़ने के लिये? यदि रिश्ता मजबूत होता या भावनात्मक होता, तो हजारों गलत फहमीयों से भी नहीं टूटता। इसलिए आज कल के कुछ रिश्तों में अनजान रहना ही अच्छा है। कभी-कभी सब कुछ जान लेना भी तकलीफ दायक हो जाता है।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

**आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ,
हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं
गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।**

छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण

For Your New & Old Construction



Rajendra Jain

80036-14691

Dr. Fixit Authorised
Project Applicator



DOLPHIN WATERPROOFING

116/183, Opp. D-Mart, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur



आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com